



**SHRI DIGAMBER JAIN ACHARYA
SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
JAIPUR**



www.jainsanskritcollege.com

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
प्लॉट नं. १०, लॉन्गटोवर, जयपुर-२९ (राज.)

संस्थापित सन् 1885

फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय



(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड
प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक : 2../2023

दिनांक 07/10/2023

सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है एतदर्थ सत्र 2023-24 में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को सूचित किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं नवपल्लवित छात्रों के भाषाकौशल की वृद्धि हेतु इस महाविद्यालय परिसर में पारस्परिक संवाद एवं शिक्षण कार्य सरल संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय परिसर में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।

डॉ अनिल कुमार जैन

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

संस्थापित सन् 1885

फोन नं. : 9116636547



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बेंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड
प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 25/07/2022

क्रमांक : 2.../2.2.2..2.

सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है एतदर्थ सत्र 2022-23 में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को सूचित किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं नवपल्लवित छात्रों के भाषाकौशल की वृद्धि हेतु इस महाविद्यालय परिसर में पारस्परिक संवाद एवं शिक्षण कार्य सरल संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय परिसर में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।

डॉ अनिल कुमार जैन

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य (संस्कृत) महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय



(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड
प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 15/07/2021

क्रमांक : 1/2/21

सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है एतदर्थ सत्र 2021-22 में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को सूचित किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं नवपल्लवित छात्रों के भाषाकौशल की वृद्धि हेतु इस महाविद्यालय परिसर में पारस्परिक संवाद एवं शिक्षण कार्य सरल संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय परिसर में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।


डॉ अनिल कुमार जैन
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य (प्राचार्य) महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

संस्थापित सन् 1885

फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय



(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड
प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 22/07/2020

क्रमांक : 1/2020

सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है परन्तु वैश्विक कोरोना काल के समय महाविद्यालय की गतिविधियों को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जा रहा है। एतदर्थ सत्र 2020-21 में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को निवेदन किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं अपने भाषाकौशल की वृद्धि हेतु ऑनलाइन माध्यम से संचालित कक्षाओं में शिक्षण कार्य सरल संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओं में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए, यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।

डॉ अनिल कुमार जैन
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन (प्राचार्य) संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

संस्थापित सन् 1885

फोन नं. : 9116636547



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड
प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक ...19/07/2019

क्रमांक :

सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है परन्तु वैश्विक कोरोना काल के समय महाविद्यालय की गतिविधियों को ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जा रहा है। एतदर्थ सत्र 2019-20 में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को निवेदन किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं अपने भाषाकौशल की वृद्धि हेतु ऑनलाइन माध्यम से संचालित कक्षाओं में शिक्षण कार्य सरल संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओं में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए, यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।

डॉ अनिल कुमार जैन

प्राचार्य
(प्राचार्य)
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

संस्थापित सन् 1885

फोन नं. : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय



(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B"
ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक 05.07.2018

क्रमांक :

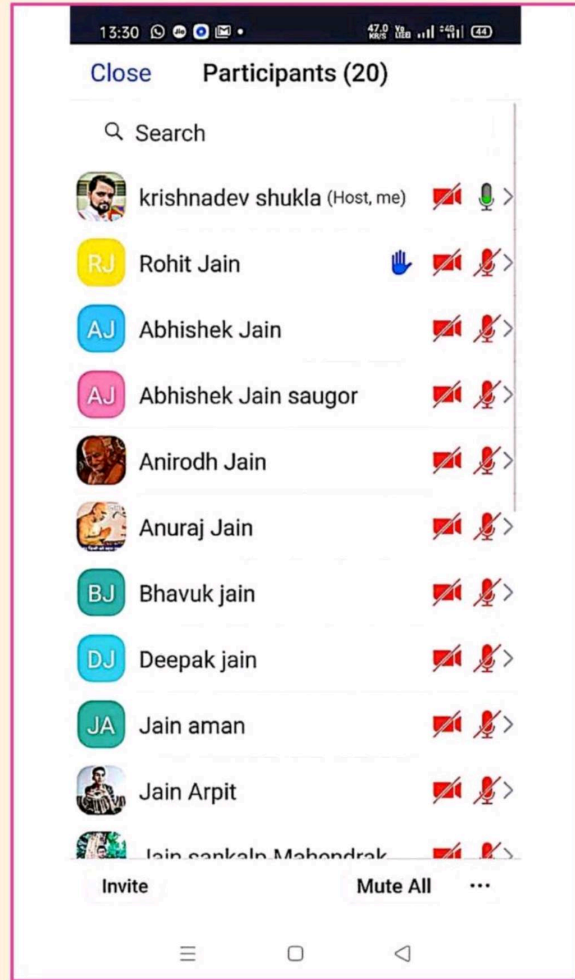
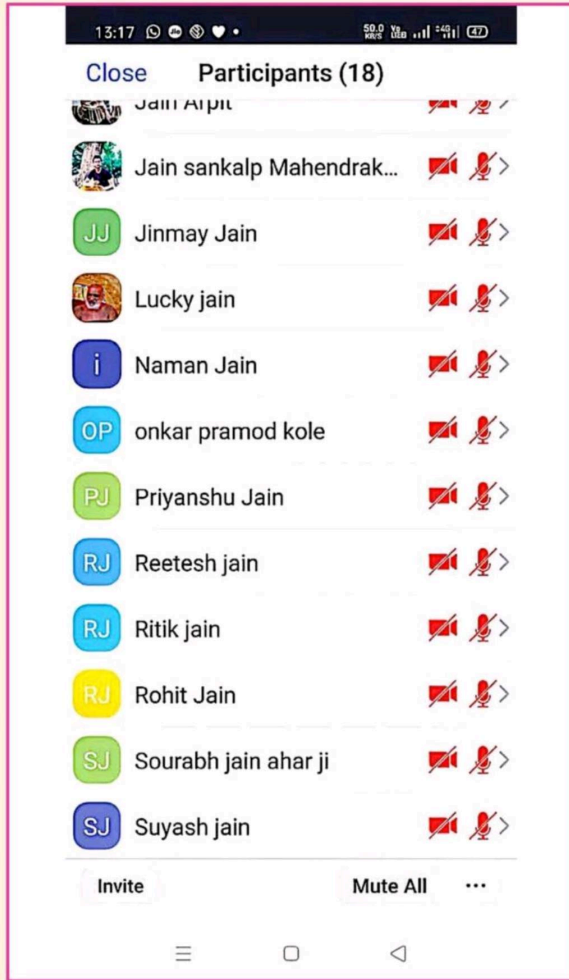
सूचना

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपनी कटिबद्धता पूर्ण रूप से मानता है एतदर्थ सत्र २०१८-१९ में सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं का सूचित किया जाता है कि वह संस्कृत भाषा की उन्नति एवं नवपल्लवित छात्रों के भाषाकौशल की वृद्धि हेतु इस महाविद्यालय परिसर में पारस्परिक संवाद एवं शिक्षण कार्य संस्कृत भाषा में ही करने का प्रयास करें।

सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों से संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार हेतु महाविद्यालय परिसर में संवाद आपस में संस्कृत भाषा में ही किया जाए, यह आदेश तुरंत आज से ही प्रभावी माना जाएगा।

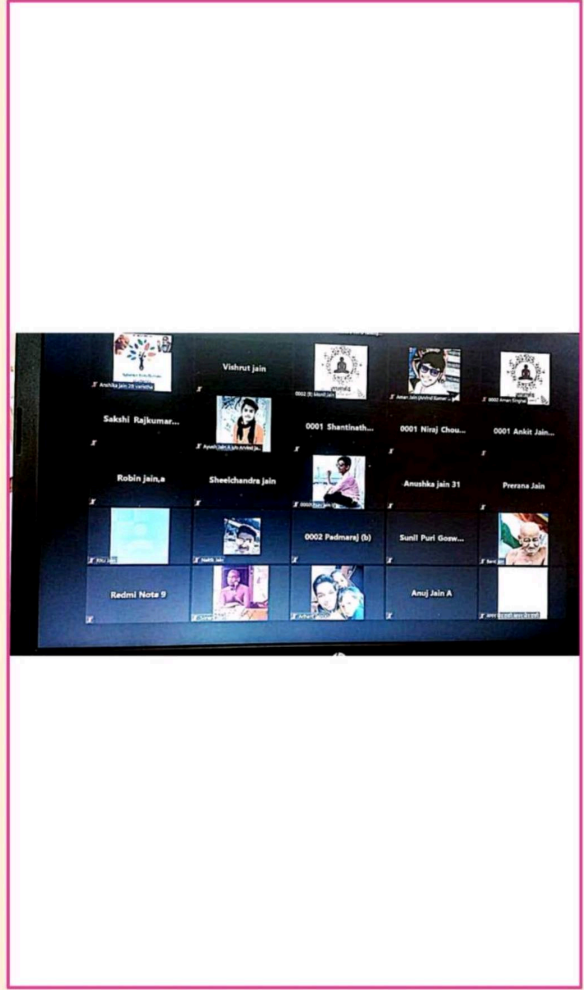
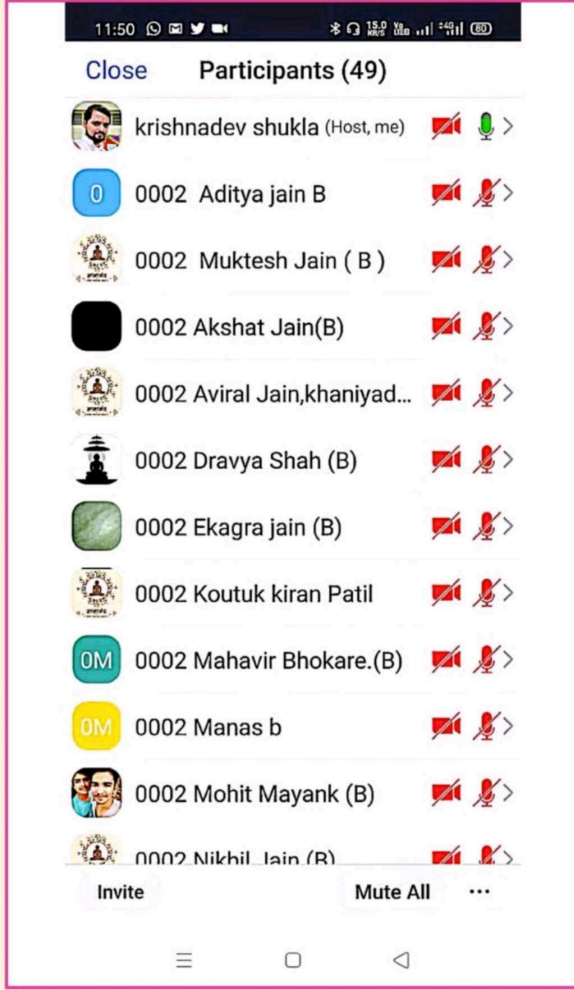
डॉ अनिल कुमार जैन
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)



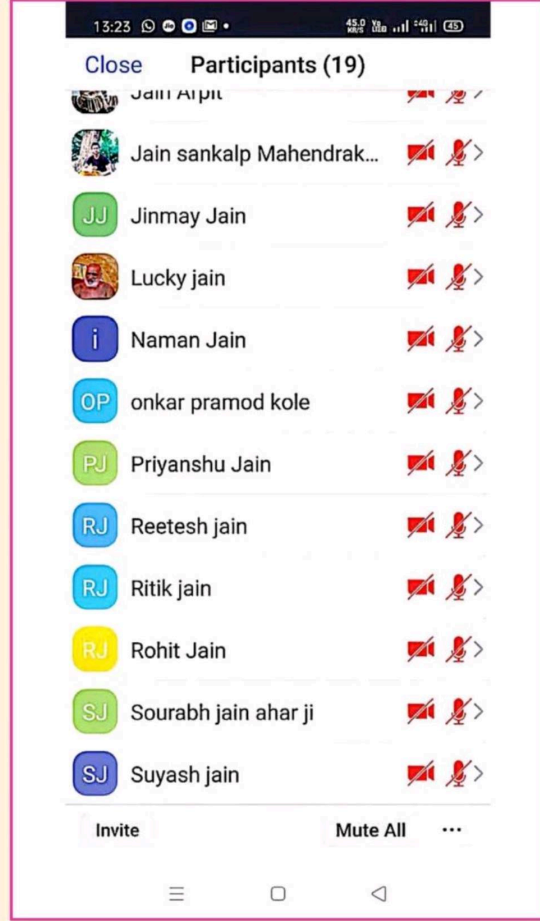
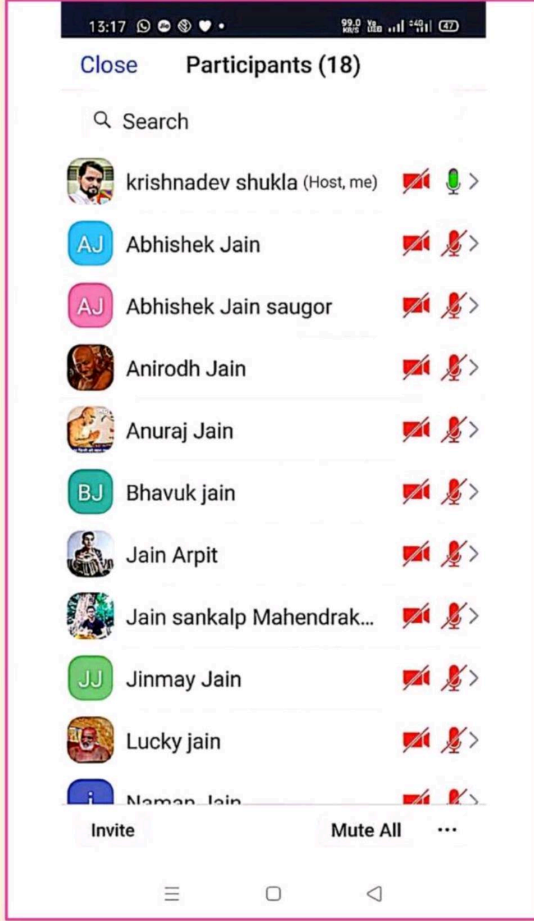
श्री गुरु
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नरसैयी रोड, साँगानेर, जयपुर-29 (राज.)



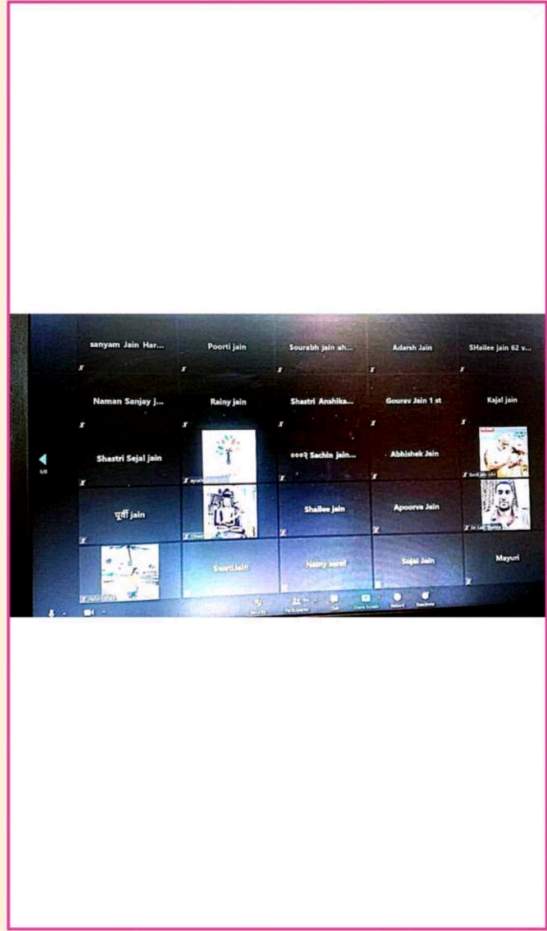
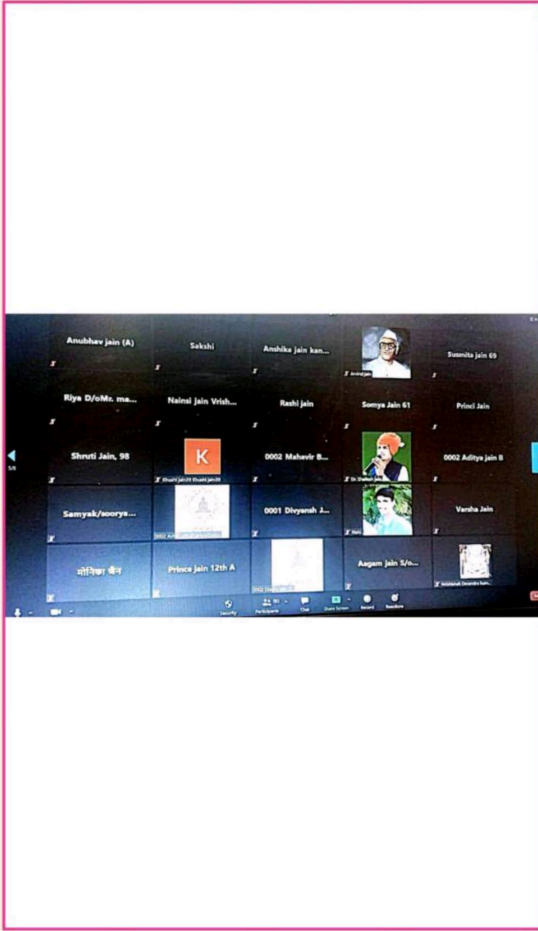
श्री दिगंबर
प्राचार्य

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन मंसेर्या रोड, साँगानेर, जयपुर-29 (राज.)



श्री दिगंबर
प्राचार्य

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन मंसेयी रोड, साँगांनेर, जयपुर-29 (राज.)



श्री दिगंबर
प्राचार्य

श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन मंसेयी रोड, साँभानेर, जयपुर-29 (राज.)



श्रीदिगम्बरजैनाचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः सांगानेरम्, जयपुरम्

जगद्गुरुमानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयेन, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन चान्वितः।

संस्कृतसम्भाषणशिविरम्

दिनाङ्क 18/07/23 तः 26/07/23 पर्यन्तम्

आयोजकः- श्रीदिगम्बरजैनाचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः जयपुरम्



श्रीदिगम्बर
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नक्षेत्री रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

श्रीदिगम्बरजैनाचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयःसांगानेरम् जयपुरम्
(केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन ,

जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयेन, चान्वितः ।)

संस्कृतसम्भाषणशिविरसमापनम्

(दिनाङ्कः-31 / 07 / 2023)

मुख्यातिथिः- स्वर्णपदकसम्मानितःसुसंस्कृतदक्षभाष्यादरणीयः

डॉ.डमरूधरपतिमहोदयः

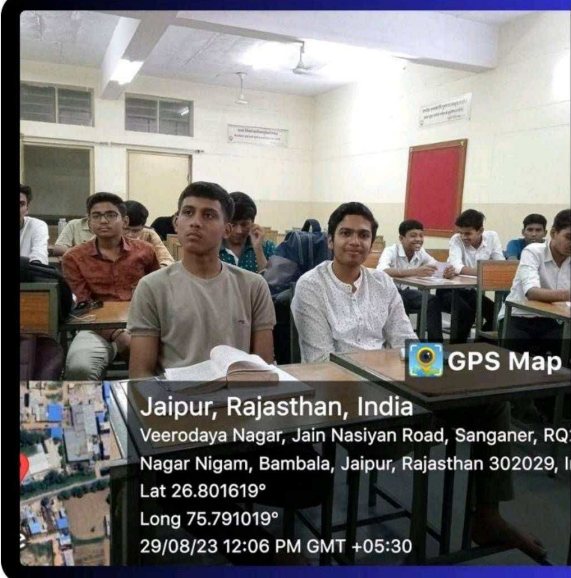
सहायकाचार्यः (शिक्षाशास्त्रविभागः)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयःजयपुरपरिसरः



श्रीदिगम्बर
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नर्सरी रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)



श्री लक्ष्मी
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नक्षेत्री रोड, साँगाणेर, जयपुर-29 (राज.)

सतां सद्भिः संगः कथमपि हि पुण्येन भवति ।
सज्जनों का सज्जनों से सम्बन्ध किसी प्रकार बड़े पुण्य से होता है।



—महाकवि भवभूति (उ.रामचरित 2/1)

विद्या धर्मावगाहश्च जायतेऽवहितात्मनाम् ॥

विद्या और धर्म की प्राप्ति स्थिर चित्तवालों को ही होती है।

— पद्मपुराण — 26/71





प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ॥
प्रिय वाक्य बोलने से सभी जीव संतुष्ट हो जाते हैं, अतः प्रिय वचन ही बोलने
चाहिए । ऐसे वचन बोलने से कंजूसी कैसी ?



अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः ।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलं ॥

बड़ों का अभिवादन करने वाले मनुष्य की और नित्य वृद्धों की सेवा करने वाले मनुष्य की आयु, विद्या, यश और बल— ये चार चीजें बढ़ती हैं।



गुणवदाश्रयान्निर्गुणोपि गुणी भवति ।

गुणी पुरुष का आश्रय लेने से, गुणहीन भी गुणी हो जाता है।

- चाणक्यसूत्राणि (176)

ध्रुवं फलाय महते महद्भिः सह संगमः ।

महान् पुरुषों की संगति निश्चय ही महान् फल देती है



—सोमदेव (कथासरित्सागर 12/5/150)

न विद्यते हि विद्यायामगम्यं रम्य वस्तुषु ।
विद्या के होने पर सुन्दर वस्तुओं में से ऐसी कोई भी वस्तु नहीं
जो मिल न सके ।



क्षत्रचूडामणि, सप्तम लम्ब, 55-231

वाण्येका समलं करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते ।

संस्कार युक्त वाणी ही व्यक्ति को सुशोभित करती है ।



भर्तृहरि नीतिशतकम्-19

जायते विफलं कर्माप्रेक्षापूर्वकारिणाम् ।

बिना विचारे कार्य करने वालों का कार्य निष्फल हो जाता है।

— पद्मपुराण— 12/165

